Edition-12, August- 2011

Monthly Newsletter

DC EDUTIMES

Defence P.G. College of Education
Bhuna Road, Tohana.

(Affiliated to CDLU, Sirsa & Approved by NCTE, Jaipur)

Highlights……

- 2 अगस्त से 12 अगस्त तक सूक्ष्म – शिक्षण कार्यक्रम
- 12 अगस्त को राखी सजावट व रंगोली प्रतियोगिता
- 15 अगस्त को स्वतन्त्रता दिवस मनाया जाएगा।

आपकी कर्मठता नींव के पत्थरों मे दर्ज है

डा. वीना सिंह
चेयरमैन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

बदलते परिवेश के अनुसार मनुष्य एवं समाज दोनों का बदलना नितान्त आवश्यक होता है। मनुष्य अपने को सुरक्षित एवं संरक्षित तभी रख सकता है। जब वो अपनी बीती हुई घटनाओं का सही एवं गलत का आंकलन कर सही दिशा में चलने का प्रयास करें। यह तभी सम्भव हो सकता है। जब अपनी बीती घटनाओं का संकलन एवं प्रसार करें । इसी कडी में डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजूकेशन द्वारा एक सार्थक प्रयास किया जा रहा है। जिसका मै हार्दिक दिल से शुभकामनाओं के साथ इस 'न्यूसलैटर' को सम्पादित करने की सम्मति प्रदान करती हूँ।

डा. वीना सिंह
चेयरमैन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

जीवन जीने की एक कला है जो किसी किसी को आती है। जो व्यक्ति इस कला को सीख जाता है। उसे उत्कृष्ट मुकाम पर पहुँचने से कोई नहीं रोक सकता। इसके लिए मनुष्य को चरित्र आचरण एवं ब्रह्मयचार्य का दिवाना होना चाहिए। डीफेंस पी.जी. कालेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो न्यूसलैटर का सम्पादन किया जा रहा है। वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। इसके द्वारा कॉलेज की गतिविधियों से छात्र, अध्यापक, अभिवावक एवं समाज परिचित होता रहेगा। आशा है इसमें अपने सुझावों को देकर हमें अनुग्रहित करें

धन्यवाद सहित

प्रशासक
श्री वेदपाल मोर,

प्रशासक श्री वेदपाल मोर,

संदेश

समय के साथ बदलता परिवेश हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में अवश्य प्रभावित करता है, क्योंकि समय परिवर्तनशील है, उसी संदर्भ में मनुष्य की प्रवत्तियां भी बदलती रहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में हमारा परिवार विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं संस्कार देकर उनकी असीम उर्जा को समाज हित में परिवर्तन करने की ओर अग्रसर है। डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो मासिक समाचार पत्र ''न्यूज स्लेटर'' का सम्पादन किया जा रहा वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। जिससे कॉलेज की प्रत्येक गतिविधि का पता हमारे समाज की हर इकाई तक पहुंचे। इससे विद्यार्थियों में सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

प्रिंसिपल
डा. राकेश दूबे।

स्वाधीनता दिवस और देश के सम्मुख खडे संकट

हमारा देश दुर्भाग्य से अनेक समस्याओं से त्रस्त है। सब समस्यांए नई है या यकायक सामने आई हों, ऐसा भी नहीं है। पर उनकी अनदेखी करने या उनके निदान के लिए सत्त कोशिश न करने के कारण वे बढ़ती जाती है। कुछ समस्याएं पड़ोसी राज्यों से संबंध रखती है। वहां के हालात क्या है। उस पर निर्भर करता है, किंतु उसके विषय में हमारी मूलभूत दीर्घकालीन नीति के विषय में विचार होना चाहिए। क्या – क्या और किस प्रकार की परिस्थितियां पैदा हो सकती है, उनका एक काल्पनिक चित्र होना चाहिए। उसी के अनुसार हमारी प्रतिक्रिया –स्वरूप क्या–क्या और कैसे विकल्प हो सकते है, उसका अनुमान भी आवश्यक है। प्रत्येक समस्या विचार–मंथन का विषय है। इसमें भ्रष्टाचार और महंगाई की सुरसा, मुंबई बम विस्फोटों से भारत की अस्मिता पर फिर चोट आदि विषयों के कारण देश में एक अस्थिरता, नैराश्य, अनिश्चतता और मानसिक आक्रोश का वातावरण बनता जा रहा है इससे देश आहत दिखाई देता है और असहाय भी। लोकतंत्रात्मक देश के लिए यह कोई शुभ लक्षण नहीं है।

डा. राजपाल
सह सम्पादक

सूक्ष्म –शिक्षण अभ्यास के दौरान छात्रों को शिक्षण देती छात्रा – अध्यापिका

2 अगस्त से 12 अगस्त तक चला सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रमः–

पिछले माह 22 जुलाई से डीफेंस कॉलेज के डी.एड. के विद्यार्थियों का अभ्यास शिक्षण टोहाना के विभिन्न रा. प्रा. पाठशालाओं में चल रहा हैं। जो कि 12 अगस्त तक चलेगा परन्तु इस दौरान विभिन्न पाठशालाओं में गए पर्वेक्षकों ने पाया कि अभी छात्र–अध्यापकों में शिक्षण अभ्यास में कुछ कमियां है। इसलिए 2 अगस्त से 12 अगस्त शाम 2 बजे छात्र–अध्यापकों को सूक्ष्म – शिक्षण कौशल में कुशल करने के लिए कॉलेज में डा. भावेश चन्द्र दूबे तथा अन्य पर्वक्षेकों की देखरेख में छात्र–अध्यापकों को शिक्षण दिया गया। डा. भावेश चन्द्र दूबे जी ने छात्र–अध्यापकों की कमियों को दूर किया तथा बेहतर पाठ्योजना तैयार करने को कहा। सभी पर्वेक्षकों ने भी छात्र–अध्यापकों का मार्गदर्शन किया। इस प्रकार 22 जुलाई से 12 अगस्त का शिक्षण अभ्यास कार्य पूरा करवाया गया। इस दौरान पर्वेक्षकों द्वारा पाठ्योजना पुस्तिका को भी चैक किया गया।

डीफेंस पी.जी. कॉलेज मे हुई राखी सजावट व रंगोली प्रतियोगिता :– 12 अगस्त 2011

21 अगस्त 2011 को अभ्यास – शिक्षण के दौरान डीफेंस कॉलेज के प्रागण में दोपहर 2 बजे के पश्चात राखी प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की सुन्दर–सुन्दर राखियां बनाई । राखी सजावट व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की प्रवक्ता डा. अमिता अग्रवाल ने अन्य प्रवक्ताओं जैसे ईशा, प्रीति, आशु व नरेन्द्र रोहिल्ला की सहायता से इस प्रतियोगिता को सम्पन्न करवाया। इस प्रतियोगिता में डी. एड. प्रथम वर्ष की छात्रा मीना प्रथम स्थान पर रही। दूसरे तथा तीसरे स्थान पर डी. एड. प्रथम की छात्रा क्रमशः रीना व गीता देवी रही।

राखी प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल में डा. अमिता अग्रवाल, डा. बी.सी. दूबे व श्रीमति वन्दना दूबे जी थे। इस उपलक्ष पर कॉलेज के विशिष्ट प्रवक्ता डा. बी.सी. दूबे जी ने छात्रों को अभिप्ररेरित किया तथा राखी त्योहार के महत्व की बताते हूए इस त्योहार को बहन – भाई के पवित्र बंधन के बारे में बताया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डी. एड. प्रथम के छात्र अमनदीप तथा द्वितीय व तृतीय स्थान क्रमशः मीना व कोमल ने पाया।

रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेते हुए छात्र

सितम्बर माह की गतिविधियों का विवरण इस प्रकार

5 सितम्बर को शिक्षक दिवस

5 सितम्बर रोजगार मेले का आयोजन

14 सितम्बर हिन्दी दिवस

16 सितम्बर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन

17 सितम्बर वाद–विवाद व समाचार –लेखन प्रतियोगिता

21 सितम्बर काव्य–गोष्ठी, काव्य–पाठ व पुरस्कार वितरण

डिफेंस कॉलेज में मनाया गया 15 अगस्त

डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ ऍजूकेशन में 15 अगस्त मनाया गया। इस उपलक्ष्य में कॉलेज के प्रशासक श्री वेदपाल मोर जी ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर 15 अगस्त की बधाई देते हुए कहा कि हमें भारतीय होने पर गर्व करना चाहिए। हमें हमेशा

ध्वजारोहण करते हुए प्रशासक श्री वेद पाल मोर जी

भारत की एकता व अखण्डता को बनाए रखना हमारा परम कर्तव्य है। श्री वेदपाल मोर जी ने भारतमाता के चरणों में पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर डी.एड. के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों के माध्यम से स्वतंन्त्रता सेनानियों को उनकी देशप्रेम भावना के लिए याद किया गया। कॉलेज के प्रिंसिपल डा. राकेश दूबे जी ने भी छात्रों को सम्बोधित करते हुए 15 अगस्त की बधाई संदेश दिया। इस मोके पर डी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजपाल व अन्य प्रवक्ता श्री अनिल, श्रीमती रीतू, आशु अरोड़ा, डा. विशाल सक्सेना, भीम सिंह भी उपस्थित थे।

BIRTHDAY CONGRATULATION

Dear students Many Many Happy returns of the day.
May God Bless you for the rich love and beauty that springs from your spirit.
August - 2011

Roll No.	**Students Name**	**Birthday Dates**
39	Amandeep	August-2
43	Sangeeta Rani	August-3
11	Soni Rani	August-6
6	Sandeep Kumar	August-6
12	Lovepreet Kaur	August-8
42	Silpa Saini	August-11
17	Sunil Kumar	August-16
4	Komal Kharb	August-25
5	Rajkumar	August-29

About the College

The International Heritage Research and Education Research and Education Society, Tohana was established as per society registration act 1957 on 09-08-1994, registration no. 544/1994-95 to proliferate education in the area. The society has a land measuring 7 Acres 6 Kanal at its disposal. Besides excellence in academic results, the institute is committed to ensure all round development of the students in every sphere of life.

Defence College of Education's was established according to the provisions on NPE 2000 to provide academic and resource support at the grass-roots level for the success of the various strategies and programmes being undertaken in the areas of elementary and adult educations. Defence College of Educations is a part of a larger strategy to achieve national goals in the areas of elementary and adult education and function according to the needs of individual states and districts.

STUDENT CORNER

"My College"

'O' My DEAR Defence P.G. College,
Really U are source of big knowledge
You are an institute of Co-Education,
On the Bhuna Road is your Situation.

In study you have big fame.
In sports you have good name.
We are very proud of U my College.
Really U are a source of big knowledge.

Karmjeet, D.Ed. Ist.

नारी शिक्षा

नारी को पढ़ना–पढ़ाना चाहिए
शिक्षा से जीवन सजाना चाहिए,
शिक्षा बिना सूना सकल संसार है,
ज्ञान से मन को जगाना है
शिक्षा जन का प्राण है और शान है,
चेतना का गीत गाना चाहिए,
कोई इसको चुरा सकता है नहीं
कोष अदभुत है इसे बढ़ाना चाहिए
वक्त की आवाज सुन लो तुम सभी
वक्त के सांचे में ढल जाना चाहिए,
कोई भी अनपढ नारी न रहे
शिक्षा पथ पर सबको जाना चाहिए

कोमल मेहत्ता
डी.एड. प्रथम सेम.

गुरू की महिमा

जब भी मेरे कदम लड़खड़ाए,
आपके आर्शीवाद का सहारा मिला।
अश्क जब बहे आंखों से,
आपके दामन का किनारा मिला।
नजर जब किी नाशवां जमाने से,
तेरे नूरानी मुखड़े का नजारा मिला।
मुस्कुरा उठी रोती जिन्दगी,
जब तेरे कर– कमलों का सहारा मिला।
कुर्बान जाते है फक्र करते है ,
शुक्र है आपना बनाने को खुदारा मिला। **(किरण, डी. एड.)**

भ्रूण हत्या

ऐ मां तूने ये क्या किया,
मुझे संसार में आने से पहले ही मार दिया।
मार दिया तूने मुझे मन ही मन ,
क्या नहीं था तेरे पास दो गज कफन।
तुने मुझे जन्म दिया होता,
जरा–सी यह सृष्टि तो दिखाई होती।
मैने भी कल्पना चावला की तरह
इज्जत कमाई होती।
चाहे छोड़ आती तू मुझे अनाथ आश्रम,
मैं वहां कच्चे दिल वालों की तरह नहीं होती,
मैं तुझे अकेली न छोड़ती तेरी तरह,
अगर तुने दी होती मुझे इस जहां में पनाह।
तुझे नहीं मालूम कि जिस घर में
लड़की का सम्मान होता है,
ऐ मां उस घर में भगवान का निवास होता है।
ऐ लोगो दुनियां से बचने के लिए,
चहे इस जहां मे खुद मरो,
लेकिन लड़की होने के डर से,
भ्रूण हत्या कभी मत करो । **(मंतारी, डी. एड. 1**

STAFF CORNER

शिक्षक

शिक्षक सबसे अच्छा नाम,
सबसे पावन उसका काम।
गुरू ही गोंबिद से मिलवाता,
अज्ञान तिमिर है दूर भगाता।

शुभ–ज्ञान प्रकाश फैलाता,
जो कहलाता राष्ट्र निर्माता।
उसके चरणों में चारों धाम,
गुरू का दर्जा सबसे ऊँचा।

निर्मल, निश्छल मन का सच्चा,
आदर करता हर एक इंसा।
काम हमेशा करता अच्छा,
सेवा करता वह निष्काम।

आजीवन दीपक सा जलता,
खुद अभावों में है, पलता।
ज्ञान बांटता कभी न थकता,
कोटि– कोटि की किस्मत लिखता।

गुरूवर को शत्–2 प्रणाम।
हे भाग्य विधाता तुझे सलाम।

डा. राजपाल सह सम्पादक

शिक्षक

शिक्षक का महान ध्येय युवा– मस्तिष्कों को तेजस्वी बनाना है। तेजस्वी युवा धरती के नीचे और ऊपर आसमान में सबसे सशक्त संसाधन है। शिक्षक की भूमिका उस सीढी जैसी है, जिसके जरियं लोग जीवन की ऊँचाइयों को छुते है, लेकिन सीढी वही की वही रहती है। हमारे समाज में और एक बच्चे के जीवन में शिक्षक का स्थान माता–पिता के बाद लेकिन ईश्वर से पहले आता है। माता–पिता, गुरू और फिर ईश्वर। ऐसी महता, मेरी जानकारी में, दुनिया में किसी और पेशे की नहीं है कि वह समाज के लिए शिक्षक से बढकर महत्वपूर्ण हो। शिक्षकों का ध्येय बच्चों का चरित्र निर्माण करना तथा ऐसे मूल्यों को रोपण होना चाहिए। जिससे उनकी सिखने की क्षमता में वृद्धी हो। महान शिक्षक एवं भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षकों को सलाह देते थे कि ''हमें सतत् बौद्धिक निष्ठा एवं सार्वभौम करूणा की खोज में रहना चाहिए। ये दो गुण किसी सच्चे शिक्षक की पहचान है। मेरा मानना है कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए चिंतन एवं कल्पना की स्वतत्रता आवश्यक है और शिक्षक को इसके लिए उपयुक्त माहौल का निर्माण करना चाहिए।

प्रवक्ता–
जगबीर सिंह कुलड़िया

मानवीयता

मानवीयता का स्रोत है आत्मा प्रणीत सवेदंनशीलता। वही मानव को सहआस्तित्व की प्रेरणा प्रदान करती है। सहअस्तित्व ही मानव–जीवन की सुख–शांति एवं समृद्धी का आधार है। संसार में जीव जन्तु नदी–नाले पेड़ पर्वत आदि हजारों सालों से साथ–साथ रहते आये है। मानव उन्ही में से एक है। सभी निसर्ग निर्मित तत्व मूलतः परस्पर पूरक है। इसकी अनुभूति करने की क्षमता मानव में है। अतः मानव का कर्तव्य है कि वह अपने अस्तित्व के लिए अन्यों के उत्पीड़न का कारण न बने। अपनी सवेंदनशीलतापूर्ण सृजनशीलता का सदुपयोग अपने साथ–साथ सभी के लिए सुख सुविधायें उपलब्ध कराने में करे। यही मानवीयता है।

वन्दना दूबे
प्रवक्ता

सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेते हुए विद्यार्थी।

रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेते हुए छात्र

Chief Editor- Dr. Rakesh Dubey, Editor – Dr. Rajpal, Reporter- Mr. Narender Rohila, Composer – Mr. Balkar Singh Nain